

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय  
वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह जी  
ता:- ११/१०/२०२० (एन.सी.ई. आर.टी.पर आधारित)  
पाठ:-दशमः पाठनाम जटायोः शौर्यम्

### श्लोक ८

ततोऽस्य सशरं चापं मुक्तामणिविभूषितम्।

चरणाभ्यां महातेजा बभञ्जास्य महद्धनुः॥

### अन्वयः-

ततः अस्य महातेजा सशरं चापम् अस्य मुक्तामणिविभूषितम्  
धनुःचरणाभ्याम् बभञ्ज।

### शब्दार्थाः-

सशरं – बाण सहित, चापम् – धनुष को

मुक्तामणिविभूषितम् – मोतियों और मणियों से सजे हुए

बभञ्ज – तोड़ दिया , महद्धनुः - विशाल धनुष को

अर्थ- उसके बाद उस महान तेजस्वी (जटायु) ने मोतियों और मणियों से सजे हुए

बाणों सहित उसके (रावण के)विशाल धनुष को अपने पैरों से तोड़ डाला ।